आयोजन 68वें राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह की शुरुआत

सहकार के सिद्धांतों पर काम करने की जरूरत

केंद्रीय सहकारिता सचिव डी. के. सिंह ने दिया जोर

■ **पुणे,** नवभारत न्यूज नेटवर्क. डॉ. वर्गीस कुरियन के 100 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में वैकुंठ मेहता राष्ट्रीय सहकारी प्रबंधन संस्थान (वैमनीकॉम) पुणे ने जीसीएमएमएफ द्वारा आयोजित साइकिल रैली के साथ ही 68वें अखिल भारतीय राष्ट्रीय सहकारिता सप्ताह की शुरुआत की. समारोह की शुरुआत वैकुंठभाई मेहता की प्रतिमा पर माल्यार्पण और सहकारिता क्षेत्र में उनके अपार योगदान को याद करते हुए हुई. इस सप्ताह की अध्यक्षता ऑनलाइन पटल पर सहकारिता मंत्रालय के केंद्रीय सचिव डी. के. सिंह (नई दिल्ली) ने की. उन्होंने सहकारी समितियों के सामने आने वाली समस्याओं के महत्वपूर्ण समाधान प्रदान करने के लिए सहकारी सिद्धांतों पर काम करने की आवश्यकता पर भी जोर दिया.

20 नवंबर तक चलेगा आयोजन

वैमनिकॉम की डाइरेक्टर डॉ. हेमा यादव ने बताया कि, वैमनिकॉम ने ज्ञान और प्रौद्योगिकी संस्थानों के सहयोग और साझेदारी की पहल की है. वैमनीकॉम भारतीय विदेश व्यापार संस्थान (IIFT) के साथ भागीदार संस्थान के रूप में शीघ्र ही निर्यात विपणन पर प्रशिक्षण मॉड्यूल शुरू करेगा. इस समय महाराष्ट्र सहकारिता परिषद के अध्यक्ष विद्याधर अनास्कर मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे. साथ में जयंत जलगांवकर उपस्थित थे. यह सहकारिता समारोह 20 नवंबर तक चलेगा. समारोह के अंत में रजिस्ट्रार वी. सुधीर ने सभी का आभार प्रकट किया.

दूसरे दिन भी दिग्गजों ने किया मार्गदर्शन

■ दूसरे दिन 15 नवंबर को संस्थान के शिवनेरी सभागृह में 'सहकारिता विपणन, उपभोक्ता, प्रसंस्करण और मूल्य संवर्धन' विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया. इस समय सहकारिता, विपणन और मूल्यसंवर्धन क्षेत्र के तीन विशेषज्ञ ने ऑनलाइन मोड पर संबोधित किया. कार्यक्रम की शुरुआत सह प्रोफेसर एस. वाई. देशपांडे के स्वागत भाषण से हुई. उन्होंने कार्यक्रम के प्रमुख वक्ता चीनी आयुक्तालय के संयुक्त निदेशक डॉ. संजय भोसले. केरल राज्य सहकारी उपभोक्ता संघ के प्रबंध निदेशक डॉ. सानिल एवं एमएसएएमबी के प्रबंध निदेशक सुनील पवार का परिचय कराया.

■ दूसरे दिन के पहले सत्र को डॉ. भोसले ने संबोधित किया, जिन्होंने आज के संदर्भ में चीनी सहकारी समितियों के विपणन संबंधित मुद्दों पर चर्चा की. आईटी केन्द्र प्रमुख डॉ. वाई. एस. पाटिल ने इस सत्र के अंतिम भाग में संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया. दूसरे सत्र को केरल के डॉ. सानिल ने ऑनलाईन संबोधित किया. वैमनिकॉम की संकाय सदस्य डॉ. आर. जयलक्ष्मी ने इस सत्र के अंतिम भाग में संक्षिप्त सारांश प्रस्तुत किया. तीसरे और अंतिम सत्र में डॉ. सुनील पवार ने स्वॉट विश्लेषण के संदर्भ में सहकारी विपणन के बारे में विस्तृत जानकारी दी.

150 से अधिक प्रतिभागियों की रही उपस्थिति

वैमनीकॉम की निदेशक डॉ. हेमा यादव का विशेष संबोधन हुआ, जिन्होंने कार्यक्रम में विचार-विमर्श के लिए बहुत प्रासंगिक विषय का निर्धारण किया. उन्होंने सहकारी समितियों के निर्यात उन्मुखीकरण, विपणन मूल्य श्रृंखला और आपूर्ति श्रृंखला में निवेश, प्रसंस्करण के निम्न स्तर और सहकारी संस्थानों में समग्र विपणन मुद्दों जैसे कुछ महत्वपूर्ण मुद्दों के बारे में बात की. सभी सत्रों में पीजीडीएम-एबीएम और पीजीडीसीबीएम के छात्रों, संकाय सदस्यों, अनुसंधान अधिकारियों और कर्मचारियों सहित 150 से अधिक प्रतिभागियों ने ऑनलाइन और साथ ही ऑफलाईन सत्र में भाग लिया.

नवभारत 17-11-2021